हम को तू दर्शन दिखा अम्बिके

हम को तू दर्शन दिखा अम्बिके,
बिगड़ा मुकद्दर बना अम्बिके ।
कब से खड़े तेरे द्वार।
चरणो से अपने लगा अम्बिके,
बिगड़ा मुकद्दर बना अम्बिके ॥

जिस को सहारा मिला माँ तुम्हारा,
है उसकी की नैया उसी का किनारा
मेरी अम्बे रानी, मैया कल्याणी,
रिधि सिद्धि भी भरे तेरा पानी
सिवा तेरे कोई ना मेरा अम्बिके,
बिगड़ा मुकद्दर बना अम्बिके ॥

घोड़े का सर माँ तुने मिलाया,
ध्यानु का सर तुने ऊँचा उठाया
तेरे दर पे दाती आए जो सवाली,
कभी ना जाए वो द्वारे से खली
देखंगे जलवा तेरा अम्बिके,
चरणो से अपने लगा अम्बिके ॥

मेरा मान तू है मेरी शान तू है,
चंचल की भी मैया पहचान तू है
तेरे ही भरोसे पे है दुनिया सारी,
तू दानी है सारा जग भिखारी
है मुझ को तेरा आसरा अम्बिके,
बिगड़ा मुकद्दर बना अम्बिके ॥

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/254/title/hum-ko-tu-darshan-dikha-ambike

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |